**भारत सरकार**
संस्कृति मंत्रालय
**लोक सभा**
अतारांकित प्रश्न संख्याः 3529
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 10 अगस्त, 2026
19 श्रावण, 1948 (शक)

**तिरुचिरापल्ली और पुदुकोट्टई में संरक्षित स्मारकों का संरक्षण**

3529. **श्री दुरई वाइकोः**

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या सरकार ने तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली और पुदुकोट्टई जिलों में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित स्मारकों की स्थिति का कोई आकलन किया है;
(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा उक्त जिलों में किए गए संरक्षण, पुनरुद्धार, अनुरक्षण और अवसंरचना विकास कार्यों का ब्यौरा क्या है और कितनी धनराशि आवंटित की गई है और कितनी धनराशि का उपयोग किया गया है;
(ग) क्या उक्त जिलों में संरक्षण, संरचनात्मक पुनरुद्धार, आगंतुक सुविधाओं, भाषा सुविधा केन्द्रों या विरासत पर्यटन विकास के लिए कोई प्रस्ताव सरकार या भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पास लंबित हैं;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है; और
(ङ) उक्त जिलों में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित स्मारकों के संरक्षण, संवर्धन और सतत पर्यटन क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**संस्कृति और पर्यटन मंत्री**
**(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत तमिलनाडु राज्य में 412 केंद्रीय संरक्षित स्मारक और स्थल हैं, जिनमें तिरुचिरापल्ली और पुदुकोट्टई जिलों के 114 केंद्रीय संरक्षित स्मारक भी शामिल हैं। इन सभी संरक्षित स्मारकों की स्थिति का आकलन करने के लिए, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर, इनका निरीक्षण किया जाता है।
(ख): विगत तीन वर्षों के दौरान, तमिलनाडु राज्य के तिरुचिरापल्ली और पुदुकोट्टई जिलों में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किए गए संरक्षण, अनुरक्षण और विकास कार्यों का ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।
विगत तीन वर्षों के दौरान इन जिलों सहित तमिलनाडु राज्य में केन्द्रीय संरक्षित स्मारकों के संरक्षण हेतु आवंटित निधियों और किए गए व्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:

(राशि करोड़ रुपये में)

| **क्र.सं.** | **वर्ष** | **आवंटन** | **व्यय** |
|---|---|---|---|
| 1. | 2023-24 | 22.50 | 22.50 |
| 2. | 2024-25 | 18.95 | 18.94 |
| 3. | 2025-26 | 16.60 | 16.60 |

(ग) और (घ): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पास ऐसा कोई प्रस्ताव लंबित नहीं है।

(ङ): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, राष्ट्रीय संरक्षण नीति, 2014 के अनुसार इन स्मारकों और स्थलों का संरक्षण करता है। इन स्मारकों और स्थलों की आवधिक स्थिति का आकलन और दिन-प्रतिदिन का रखरखाव संसाधनों की उपलब्धता और आवश्यकता के अनुसार नियमित आधार पर किया जाता है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, विश्व धरोहर दिवस, विश्व धरोहर सप्ताह, संग्रहालय दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और इस तरह के अन्य अवसरों/कार्यक्रमों के अवसर पर विरासत जागरूकता को बढ़ावा देता है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय सांस्कृतिक और विरासत पर्यटन सहित समग्र तरीके से देश में पर्यटन को बढ़ावा देता है। पर्यटन हितधारकों के सहयोग से आयोजित पर्यटन प्रचार कार्यक्रमों के आयोजन, सोशल मीडिया प्रभावकों के सहयोग से सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से डिजिटल प्रचार और अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल के माध्यम से पर्यटन स्थलों और उत्पादों को प्रदर्शित करने जैसी कई पहलों के माध्यम से प्रचार किया जाता है।

**अनुबंध–I**

**लोक सभा में दिनांक 10.08.2026 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 3529 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध**

**तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली और पुदुकोट्टई जिलों में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किए गए संरक्षण, परिरक्षण, रखरखाव और विकास कार्यों का ब्यौरा**

| क्र. सं. | मंदिर/स्मारक का नाम | ज़िला | हस्तक्षेप का प्रकार | कार्य का ब्यौरा |
|---|---|---|---|---|
| 1. | खंडहर जैन मंदिर, चेट्टीपट्टी (2023-2024) | पुदुक्कोट्टई | संरक्षण | गिरे हुए पत्थरों को उठाने और ढेर लगाने, वास्तुकला हिस्से, पत्थरों के टुकड़े और जमा हुए ढेर का दस्तावेजीकरण करना |
| 2. | देवरमलाई में चट्टान से बना शिव मंदिर (2023-24), (2024-25) और (2025-26) | पुदुक्कोट्टई | विकास कार्य | पेड़-पौधों की सफाई, मिट्टी की खुदाई, रेत भरना, पीसीसी बिछाना, आर आर स्टोन फुटिंग/ड्वार्फ वॉल बनाना और पत्थर के जोड़ों को भरना। |
| 3. | सौंदर्यराज पेरुमाल मंदिर, इरुम्बनाडु (2023-24 ) | पुदुक्कोट्टई | संरक्षण | अवसंरचना के चारों ओर पानी को रोकना और तहबंदी करना। |
| 4. | उत्तमदानीश्वर मंदिर, किलट्टणियम , (2023-24) | पुदुक्कोट्टई | विकास कार्य | पेड़-पौधों की सफाई, मिट्टी की खुदाई, रेत भरना, पीसीसी बिछाना, आर आर स्टोन फुटिंग/ड्वार्फ वॉल बनाना और पत्थर के जोड़ों को भरना। |
| 5. | चट्टान को काटकर बनाया गया शिव मंदिर और चबूतरे के सामने के हिस्से में पहियों वाला कार मंडप , कुन्नंदरकोइल , (2023-24) और (2025-26) | पुदुक्कोट्टई | संरक्षण | छत पर जलरोधन |
| 6. | राजेंद्रकोलीश्वरम मंदिर, पोनमारवती (2023-24), | पुदुक्कोट्टई | संरक्षण | मद्रास टेरेस की खराब छत की मरम्मत, छत और दीवार पर प्लास्टर और दीवार की पेंटिंग। |
| 7. | शिव मंदिर, तेन्नंगुडी , (2023-24) | पुदुक्कोट्टई | संरक्षण | खराब / उखड़ी हुई प्रकार दीवार का पुनर्निर्माण, प्लास्टर का काम। |
| 8. | चट्टान को काटकर बनाया गया शिव मंदिर, सत्यगिरीश्वर तीर्थस्थल, तिरुमयम , (2023-24) और (2024-25) | पुदुक्कोट्टई | संरक्षण | छत पर जलरोधन |
| 9. | चट्टान को काटकर बनाया गया विष्णु मंदिर, सत्यमूर्ति तीर्थस्थल, तिरुमयम , (2023-24) और | पुदुक्कोट्टई | संरक्षण | छत पर जलरोधन |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | (2024-25) | | | |
| 10 | पत्थर और ईंट का किला, तिरुमयम , (2023-24) | पुदुक्कोट्टई | संरक्षण | जमा हुई मिट्टी का निपटान, किले की दीवार का पुनर्निर्माण, सतह को बेहतर बनाना और दस्तावेजीकरण। |
| 11 | पूरा शिव मंदिर और सामने मंडपम में खुदा हुआ पत्थर , अम्मनकुरिची (2024-25) | पुदुक्कोट्टई | संरक्षण | पानी से सुरक्षित बनाना, टूटे हुए प्लस्तर की मरम्मत और उसे मजबूत बनाना और विमान की सतह पर चूने का लेप करना और उसे ठीक करना |
| 12 | ऐवर के अवशेष कोविल , कोडुम्बलूर (2024-25) और (2025-26) | पुदुक्कोट्टई | विकास कार्य | बौनी दीवार और बाड़ लगाने का काम |
| 13 | एरुम्बेश्वर मंदिर, तिरुवेरुम्बूर (2024-25) और (2025-26) | त्रिची | संरक्षण | जलरोधन, सतह पर चूने का लेप करना और उसे ठीक करना, फिर से पलस्तर करना, स्टको वर्क, छत से संबंधित कार्य आदि। |
| 14 | उत्तमनाथस्वामी शिव मंदिर, किरनूर (2025-26) | किरणुर , पुदुक्कोट्टई | संरक्षण और विकास कार्य | पत्थर बिछाने का काम और एम.एस ग्रिल ठीक करना |
| 15 | शिव मंदिर, निरपलानी , (2025-26) | पुदुक्कोट्टई | संरक्षण | मंदिर की संरचना के चारों ओर तहबंदी करना। |
| 16 | फोर्ट गेटवे, त्रिची (2025-26) | त्रिची | विकास कार्य | रेलिंग, ग्रिल फेंसिंग, लहरदार फ्लोरिंग, रिटेनिंग वॉल,इत्यादि, |
| 17 | त्रिची उप-मंडल के अंतर्गत विभिन्न स्मारकों को यूपीएचए (2025-26) | त्रिची और पुदुक्कोट्टई दोनों | विकास कार्य | आरओ पीने के पानी की सुविधा, पत्थर की बेंच, सीएनबी , पीएनबी, डीएनबी, कूड़ेदान, आदि। |
| 18 | जैन मंदिर स्थल,मंगाथेवनपट्टी, (2023-24) | पुदुक्कोट्टई | संरक्षण | जमा हुई मिट्टी हटाकर मूल स्तर को दिखाना, संरचना के चारों ओर तहबंदी करना और पलस्तर का काम करना। |

*****